४. गाँव-शहर

– *प्रदीप शुक्ल*

बदला-बदला-सा मौसम है
बदले-से लगते हैं सुर ।
दीदा फाड़े शहर देखता
गाँव देखता टुकुर-टुकुर ।

तिल रखने की जगह नहीं है
शहर ठसाठस भरे हुए ।
उधर गाँव में पीपल के हैं
सारे पत्ते झरे हुए ।

मेट्रो के खंभे के नीचे
रात गुजारे परमेसुर ।
दीदा फाड़े शहर देखता
गाँव देखता टुकुर-टुकुर ।

इधर शहर में सारा आलम
आँख खुली बस दौड़ रहा ।

वहाँ रेडियो पर स्टेशन
रामदीन है जोह रहा ।
उनकी बात सुनी है जबसे
दिल करता है धुकुर-पुकुर ।

सुरसतिया के दोनों लड़के
सूरत गए कमाने ।
गेहूँ के खेतों में लेकिन
गिल्ली लगीं घमाने ।

लँगड़ाकर चलती है गैया
सड़कों ने खा डाले खुर ।
दीदा फाड़े शहर देखता
गाँव देखता टुकुर-टुकुर ।

—— ० ——

परिचय

जन्म : १९६७, लखनऊ (उ.प्र.)
परिचय : कवि प्रदीप शुक्ल जी को हिंदी कविता के प्रति विशेष श्रद्‌धा है । आप कविता को एक साधना के रूप में देखते हैं । हिंदी की विविध पत्र-पत्रिकाओं में आपकी रचनाएँ छपती रहती हैं ।
प्रमुख कृतियाँ : 'अम्मा रहती गाँव में' (नवगीत संग्रह), 'गुल्लू का गाँव' (बालगीत संग्रह) आदि ।

पद्‌य संबंधी

प्रस्तुत नवगीत में कवि प्रदीप शुक्ल जी ने गाँव और शहर के दर्द को दर्शाया है । यहाँ शहरों की भीड़-भाड़, भागम-भाग, गाँव से शहरों की तरफ पलायन, गाँवों का शहरीकरण आदि का बड़े ही मार्मिक ढंग से वर्णन किया है ।

कल्पना पल्लवन

'भारतीय संस्कृति के दर्शन देहातों में होते हैं' इस तथ्य पर अपने विचार लिखो ।

शब्द वाटिका

दीदा = आँख, दृष्टि, निगाह
परमेसुर = परमेश्वर (एक नाम)
आलम = दुनिया, जगत, जहान
गिल्ली = गिलहरी
गैया = गाय
घमाना = धूप खाना

✲ सूचना के अनुसार कृतियाँ करो :-

(१) तुलना करो :

गाँव	शहर
--------	--------
--------	--------
--------	--------

(२) उचित जोड़ियाँ मिलाओ :

अ	उत्तर	आ
१. मेट्रो	------	गाँव
२. पीपल	------	कस्बा
		शहर

(३) कृति पूर्ण करो :

१. गाँव का देखना — [ ]
२. शहर का देखना — [ ]

(४) एक शब्द में उत्तर लिखो :

१. लँगड़ाकर चलने वाली –
२. पत्ते झरा हुआ वृक्ष –
३. बदले-से लगते हैं –
४. जहाँ तिल रखने की जगह नहीं है ।

भाषा बिंदु पाठ्‌यपुस्तक के पाठों से विलोम और समानार्थी शब्द ढूँढ़कर उनकी सूची बनाओ और उनका अलग-अलग वाक्यों में प्रयोग करो ।

उपयोजित लेखन वृक्ष और पंछी के बीच का संवाद लिखो ।

मैंने समझा

स्वयं अध्ययन यातायात के नियम, सांकेतिक चिह्न एवं हेल्मेट की आवश्यकता आदि के चार्टस बनाकर विद्‌यालय की दीवारें सुशोभित करो ।

IPNENC